







# आदर्श आचार संहिता के दौरान फेंक न्यूज तथा पेड न्यूज पर रखी जा रही है कड़ी नजर

एमसीएमसी द्वारा राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन, पेड न्यूज निगरानी और रिपोर्टिंग तथा मीडिया उल्लंघनों की जा रही है सघन मॉनीटरिंग

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लापत्ति क्षय नहीं की जाएगी।

प्रभारी अधिकारी ने कहा कि आदर्श

आचार संहिता के दौरान फेंक न्यूज तथा पेड

न्यूज की पहचान व त्वरित प्रतिक्रिया के लिए

## उप के ज्ञांसी और ललितपुर में चमकेगी आकाशीय बिजली मेघ गर्जन के साथ चलेंगी तेज हवाएं



मौसम भी प्रभावित होगा और स्थानीय स्तर पर कुछ जनपदों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं ज्ञांसी और ललितपुर में मेघ गर्जन के साथ जहां तेज हवाएं चलेंगी तो वहीं आकाशीय बिजली भी गिरेंगी की संभावना है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस एन सुनील पाण्डेय ने शुक्रवार को बताया कि पश्चिमी राजस्थान और इससे सटे पाकिस्तान पर एक चक्रवाही हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। एक ट्रफ उत्तर-पूर्व बिहार से दक्षिण-पूर्व असम तक बना हुआ है। ट्रफ/हवा का

संभवता और गवाहों के आधार पर चार को उम्रकैद

कैनविज टाइम्स संवाददाता



रिपोर्ट दर्ज कर चारों आरोपियों की गिरफतारी शुरू कर दी थी।

सर्विलास और एसओजी टीम और रामपुरा थाना पुलिस ने 28 मई 2012 को चारों आरोपियों को गिरफतार कर लिया। जब उन्हें पुछताछ की गई तो उन्होंने हत्या की बात कही थी।

मुख्य अतिथि करारेट मास्टर राकेश कुमार

गुप्ता ने उनके पास से हत्या में शामिल तमचा और कुलाहाड़ी बरामद कर जेल भेज दिया था। शासकीय अधिकारी हड्डे पांडे ने बताया कि इस मामले की सुनवाई अपर जिला जज अंतर्जाल प्राप्त की कार्ट में चल रही थी।

जज ने गवाहों व सबूतों के आधार पर मुनेश, जिरो, महेश व जान सिंह को दर्शन दिया।

उम्रकैद की सजा सुनाई और एक लाख 65

हजार रुपये चारों आरोपियों पर अधेंद लगाया।

रायबरेली को जिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि करारेट प्राचीन कलाओं में से एक है। यह जीवन जीने की एक जिलाडि खेल भावना के साथ इस प्रसिद्धि के लिए जिला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने के लिए जिला करारेट संघ यायबरेली का यह आयोजन बहुत ही प्रसंगीनी है। यह कला सभी लोग साथ सक्ते। करारेट बेल्ट एजमान के मुख्य परीक्षक जो कि रायबरेली में वैधती बेल्ट में वैधती के साथ आधारित है। इस मौके पर खिलाड़ियों को अधिकारी ने उन्हें बधाई दी। इस मौके पर खिलाड़ियों को अधिकारी ने उन्हें बधाई दी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़िक्र की गयी।

यह एक आन्ध्रप्रदेशीय कला है। इस कला को बढ़ावा देने की ज़

# डीएफओ ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



फतेहपुर। विष्णु राज कांचेंट पनी में परीक्षाफल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के परीक्षाफल वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ रामनुज विप्राठी एवं जेल पर्यवेक्षक विष्णु विहारी शरण रहे। समारोह में विद्यालय में प्रथम द्वितीय तीव्र स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को अंकपत्र, मेडल व शैल्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अनेकों गतिविधियों में रस्ते खेलने वाले बच्चों में दिव्यांशी सिंह, अश्वर्ण, तमना, प्रियंका केसरवानी, अप्फानअली, अविका, गणन, अश्मीरा, मुजमिल, रुद्र तिवारी, अंशिका अग्रहरि, अनिका, अवनी सोनी, कार्तिक सोनी, असमीरा नाज, आस्था त्रिपाठी, हरिति, अयुश को सम्मानित किया गया। वहाँ पी जी में संस्कार

गुप्ता, अहद खान प्रथम व अन्हा खान परियम दूसरे स्थान पर कक्षा एक में दर्शकीय श्रीवास्तव, अबान प्रथम, कक्षा दो अभय राज शरन, अर्मीबा उमरा प्रथम, कक्षा तीन में अयन प्रथम, मो साहिर दूसरे स्थान पर रहे। कक्षा चार में नसरा प्रथम महावीर दूसरे स्थान पर रहे। कक्षा 5 अरिबा, सत्यम प्रथम, सरस्वती दूसरे स्थान पर रही। कक्षा 6 में इफरा प्रथम, दूसरे स्थान पर अवलिया रही। कक्षा 7 में अनामिका प्रथम, अस्सरा, एंजल राज दूसरे स्थान पर रहे। कक्षा 8 में वैभवी मिश्रा प्रथम, मो कैफ दूसरे स्थान पर रहे। कक्षा 9 में रिषभ यादव प्रथम, शबाना नाज दूसरे स्थान पर रहे। कक्षा 11 में निशु यादव प्रथम, अंजली पांडे दूसरे

स्थान पर रहे। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ रामनुज विप्राठी ने छात्र-छात्राओं का उत्सवार्थन करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी कल का भविष्य है जो छात्र-छात्राएं क्लास में प्रथम द्वितीय तीव्र स्थान पर रहे हैं उनको बहुत-बहुत बधाई और जो लोग अच्छे अंक लाने में पैछें रह गए हैं वह और मेहनत करके अलाए वर्ष इन स्थानों पर आने के लिए प्रयास करें। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अमिताभ विहारी शरण ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर श्रीमती रोलिका शरन, श्रीमती उपासना शरन, श्रीमती लीना श्रीवास्तव, शिवानी श्रीवास्तव, शबानम, बुशरा अलिया, उमा शुक्ला, शीबा परवीन, आशीष मिश्रा, सर्वेंश श्रीवास्तव, राजकुमार, रवि कुमार पवन सिंह, अंबुल कुदुश, अशुमान सिंह रवि गुप्ता सहित शिक्षक श्रिशिकाएं मौजूद रहे।

## पत्रकार की माता के निधन पर शोक

करसराय, कुशीनगर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के लोनिवि विश्राम गृह में शुक्रवार को पत्रकारों की बैठक प्राप्त के तहसील अध्यक्ष कृष्णमोहन पांडे की अध्यक्षता में संपूर्ण हुई। इसमें शुक्रवार अमुर निवारी पूर्व प्रवक्ता रामअशीष शुक्ल की पांपी एवं पत्रकार विश्वकरण राजेश शुक्ल की 80 वर्षीय माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव, राकेश चंद्र पांडे, मनीष यादव, आदित्य शाही, अनिल तिवारी, राजेन्द्र शर्मा, अशोक सिंह, बुजविहारी त्रिपाठी, हृदयनांद शर्मा, संजय तिवारी, सतीश सिंह, अजय मिश्र, दिनेश ओझा, शैलेश सिंह, फैजुल हक, दिनेश गुप्ता, रोशन यादव, रमेश जायसवाल, सतीश पांडे, रजनीश मिश्र, उमेश पांडे, यस्ती शर्मा, ज्ञानदं गोंद, राजकुमार पांडे, संजय यादव, वीरेंद्र यादव, राज पाठक, विजय तिवारी, विश्व राश, नीरज धर दिवेरी, गोपाल गुप्ता, संदीप त्रिपाठी, अरविंद सिंह, विवेक उपाध्याय, अशोक पांडे आदि ने शोक व्यक्त किया है।

## होली के दिन दो पक्षों में मारपीट, तीन घायल

पटेरीना, कुशीनगर कैनविज टाइम्स संवाददाता। होली के दिन रामकोला थाना क्षेत्र के विजयपुर चौराहे पर दो पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोगों को गंभीर चोटें मिली हैं। एक पक्ष द्वारा डॉक्टरी परीक्षण कराकर थाने ने गहरा दिवाली दिवाली के दिन विवाही शरणी नववी घटेल पुरु मोती पटेल रामकोला थाने में तहरीर देकर जिक्र किया है कि होली के दिन 25 मार्च को कीरी चार बजे शाम को मेरा भाई गोविंद पटेल एवं भूतीजा अनुराग पटेल तथा पटटीदार के संतोष पटेल, विशाल पटेल, किशन पटेल आदि लोग देकुआटार से खाना खाकर वापस घर आ रहे थे कि विजयपुर चौराहे पर दूले से लड़ते लोग अरविंद व सुरज पुरुषगण घटिया, विकास पृष्ठ मुर्दिका, परमेश्वर पुरु गंगा वर्षा, गंगा वर्षा, राजकुमार पुरु नाशु, दीपक पुरु नाशु गुप्ता, विमल भोला कुशवाहा पुरु भोला व चार अंतिम लोगों में भेर भाई गोविंद व भूतीजा का गाड़ी रोटे लिए और गोलबद दोकानों गाली गुप्ता देते हुए लाली डडे से मारने पीटें लगा। इस दौरान गोविंद के सिर में गंभीर चाट लग गई जिससे वह बोहोश होकर गिर गया। उसके गले का चैन व मोबाइल छीन लिए। तभी दूसरे बाइक पर अन्य लोग आए उन्हें भी लोगों ने दोकार कर मारने पीटें लगे। साथ ही इन लोगों द्वारा जान से मारने पीटें की धमकी भी दी जा रही है। इस संबंध में शनावक्ष्यका रामकोला विवर कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर घटेल है जांच की जा रही है। दोषी जल्द ही पुलिस गिरफ्त में होंगे।

## ट्रेन की चपेट में आने से युवती का दाहिना पैर व हाथ का पंजा कटा

कुशीनगर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पडेना रेलवे स्टेशन के परियम आउटर पर पैसेजर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवती का दाहिना पैर कटा गया। इस दौरान युवती अंतर्वा अंतर्वा में गिर पड़ी। असरपास के लोगों ने जीआरपी पुलिस को सुनाया दिया। मौके पर पूर्वी भूमि पर युवती को घुसेंसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज चलन रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पुरुष रामनांद गोंद एवं जिला अस्पताल पहुंचाया गया और इसकी सूचना उसके परिजनों को दिया। युवती का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, मौके पर लड़कों के पिता भी मौजूद रहे।

एनडीए प्रत्याशी को चुनाव जिताने को लेकर रालोद ने बनाई रणनीति कुशीनगर कैनविज टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय लोक दल जिला इकाई की एक आवश्यक बैठक बुद्ध स्थानी कुशीनगर स्थित पार्टी के कैम्प कार्यालय पर सम्पन्न हुई। जिसमें लोकसभा कुशीनगर के एनडीए प्रत्याशी को चुनाव जिताने का निर्णय ले लिए गए थे। असरपास के लोगों ने जीआरपी पुलिस को सुनाया दिया। मौके पर पूर्वी भूमि पर युवती को घुसेंसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज चलन रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पुरुष रामनांद गोंद एवं जिला अस्पताल पहुंचाया गया और इसकी सूचना उसके परिजनों को दिया। युवती का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, मौके पर लड़कों के पिता भी मौजूद रहे।

## एनडीए प्रत्याशी को चुनाव जिताने को लेकर रालोद ने बनाई रणनीति

कुशीनगर कैनविज टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय लोक दल जिला इकाई की एक आवश्यक बैठक बुद्ध स्थानी कुशीनगर स्थित पार्टी के कैम्प कार्यालय पर सम्पन्न हुई। जिसमें लोकसभा कुशीनगर के एनडीए प्रत्याशी को चुनाव जिताने का निर्णय ले लिए गए थे। असरपास के लोगों ने जीआरपी पुलिस को सुनाया दिया। मौके पर पूर्वी भूमि पर युवती को घुसेंसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज चलन रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पुरुष रामनांद गोंद एवं जिला अस्पताल पहुंचाया गया और इसकी सूचना उसके परिजनों को दिया। युवती का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, मौके पर लड़कों के पिता भी मौजूद रहे।

## पत्रकार की माता के निधन पर शोक

कुशीनगर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के लोनिवि विश्राम गृह में शुक्रवार को पत्रकारों की बैठक प्राप्त के तहसील अध्यक्ष कृष्णमोहन पांडे की अध्यक्षता में संपूर्ण हुई। इसमें शुक्रवार अमुर निवारी पूर्व प्रवक्ता रामअशीष शुक्ल की पांपी एवं पत्रकार विश्वकरण राजेश शुक्ल की 80 वर्षीय माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव, राकेश चंद्र पांडे, मनीष यादव, आदित्य शाही, अनिल तिवारी, राजेन्द्र शर्मा, संजय तिवारी, सतीश सिंह, अजय मिश्र, दिनेश ओझा, शैलेश सिंह, फैजुल हक, दिनेश गुप्ता, रोशन यादव, रमेश जायसवाल, सतीश पांडे, रजनीश मिश्र, उमेश पांडे, यस्ती शर्मा, ज्ञानदं गोंद, राजकुमार पांडे, संजय यादव, वीरेंद्र यादव, राज पाठक, विजय तिवारी, विश्व राश, नीरज धर दिवेरी, गोपाल गुप्ता, संदीप त्रिपाठी एवं पत्रकार विश्वकरण राजेश शुक्ल की 80 वर्षीय माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव, राकेश चंद्र पांडे, मनीष यादव, आदित्य शाही, अनिल तिवारी, राजेन्द्र शर्मा, संजय तिवारी, सतीश सिंह, अजय मिश्र, दिनेश ओझा, शैलेश सिंह, फैजुल हक, दिनेश गुप्ता, रोशन यादव, रमेश जायसवाल, सतीश पांडे, रजनीश मिश्र, उमेश पांडे, यस्ती शर्मा, ज्ञानदं गोंद, राजकुमार पांडे, संजय यादव, वीरेंद्र यादव, राज पाठक, विजय तिवारी, विश्व राश, नीरज धर दिवेरी, गोपाल गुप्ता, संदीप त्रिपाठी एवं पत्रकार विश्वकरण राजेश शुक्ल की 80 वर्षीय माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव, राकेश चंद्र पांडे, मनीष यादव, आदित्य शाही, अनिल तिवारी, राजेन्द्र शर्मा, संजय तिवारी, सतीश सिंह, अजय मिश्र, दिनेश ओझा, शैलेश सिंह, फैजुल हक, दिनेश गुप्ता, रोशन यादव, रमेश जायसवाल, सती





# गाजा में रक्ते युद्ध

मीद की जानी चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में परित प्रस्ताव के बाद इसाइल गाजा पर निरंतर जारी हमलों पर रोक लगाएगा। उल्लेखनीय है कि सोमवार को परित प्रस्ताव में सुरक्षा परिषद ने रमजान के महीने के दौरान गाजा में तुरंत युद्धविराम लागू करने, बंधकों की बिना शार्ट रिहाई तथा युद्धग्रस्त इलाकों में मानवीय सहायता सुनिश्चित करने को कहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि मतदान से दूरी बनाकर अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह गाजा में शांति प्रयासों को सकार होता देखता चाहता है। वहीं अमेरिका का प्रस्ताव को बीटो न करना यूएसए व इसाइल संबंधों में खटास आने का भी संकेत है। जिसको लेकर इसाइल के नेता अमेरिका पर हमलावर हैं। इसाइल ने अपने सदाबहार दोस्त अमेरिका पर संकट के समय साथ न देने का आरोप लगाया है। यहां तक कि इसाइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक इसाइली प्रतिनिधिमंडल की अमेरिका यात्रा रद्द करके अपनी नाराजगी जाहिर की है। हालांकि, कहना कठिन है कि इसाइल और हमास सुरक्षा परिषद के पारित प्रस्ताव का किस हद तक पालन करते हैं, लेकिन एक बात तो तय है कि फिलहाल अमेरिका व इसाइल के रिश्तों में खटास आ चुकी है। हालांकि, अब तक बाइडेन प्रशासन इसाइल को पर्याप्त सैन्य मदद देता रहा है और हमास को समाप्त करने के उसके लक्ष्य का समर्थन भी करता आया है। लेकिन इसके बावजूद अमेरिका चाहता रहा है कि संघर्ष में आम लोगों की मौत कम से कम हो। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर 2023 को इसाइल पर हुए हमास के क्रूर आतंकवादी हमले के बाद इसाइल के जवाबी हमले में बत्तीस हजार से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे व महिलाएं भी शामिल हैं। हमले से गाजा का एक बड़ा हिस्सा खंडहर में तब्दील हो गया है। लाखों लोगों ने पलायन किया है और एक बड़ी आबादी भुखमरी के कगार पर पहुंच गई है। इस अभूतपूर्व मानवीय संकट के बावजूद इसाइली हमले जारी हैं। विडब्ना यह है कि तमाम अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद दोनों ही युद्धरत पक्षों के रुख में नरमी नहीं आ रही है। जहां इसाइल के हमले जारी हैं, वहीं अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों द्वारा पेश युद्धविराम व बंधकों की रिहाई के लिये मध्यस्थाना के नये प्रस्ताव को हमास ने खारिज कर दिया है। वहीं इसाइल का कहना है कि सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव से आतंकवादी समूहों को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन इसके बावजूद एक हकीकत यह भी है कि वैश्विक जगत में गाजा में जारी युद्ध के चलते इसाइल अलग-थलग पड़ता जा रहा है। साथ ही वह अब अमेरिकी समर्थन को गारंटी के रूप में नहीं ले सकता। फिलहाल अंतर्राष्ट्रीय समुदाय इसाइल पर युद्धविराम के लिये दबाव बढ़ाने की तरफ अग्रसर है जिससे गाजा में शांति का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। गाजा में मानवीय संकट को तुरंत समाप्त करने के लिये भी यह जरूरी है। वहां फिलहाल भूख भी एक बड़ा संकट बनकर सामने खड़ी है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा पारित युद्ध विराम के प्रस्ताव के बाद उमीद जरी है कि इसाइल अपनी आक्रामकता में कुछ कमी लाएगा। वहीं हमास को भी इसाइल पर किये गए हमले में बंधक बनाये गए इसाइली नागरिकों की रिहाई पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। जिससे गाजा में मानवीय सहायता का मार्ग प्रशस्त हो सके। हमास को भी सोचना चाहिए कि पिछले छह माह में पहली बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में युद्धविराम का प्रस्ताव पारित हो सका है। हमास को इसे गाजा में शांति स्थापना की दिशा में एक अवसर के रूप में देखना चाहिए। इस मामले में अमेरिका की ओर से बीटो का इस्तेमाल न करना भी एक अच्छा संकेत है। इससे पहले अमेरिका तीन बार ऐसे प्रस्तावों को बीटो कर चुका है। हमास को महसूस करना चाहिए कि इस प्रस्ताव के पारित होने के मूल में शांति की दिशा में दुनिया की तीव्र आकंक्षा भी है।

**मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी घमसान शुरू हो गया है।**

या है और आज, यह अपनी पूर्व ताक  
नेतृत्व का अभाव है। 2014 और 20

का लाकसभा चुनाव कान जातगा? यह एक बहुदलाय प्रतियोगिता होगी, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन और इंडिया ब्लॉक का विपक्षी गठबंधन प्राथमिक दबेदार होंगे। इस बीच, गठबंधन बनाये जा रहे हैं और प्रमुख दलों ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। दल-बदल और गुप्त सौदेबाजी भी चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य हैट्रिक लगाना (तीसरी बार जीतना) है। वर्तमान में, यह एक ऐसी घुड़दौड़ है, जिसमें भाजपा हावी है और विपक्षी दल पछे चल रहे हैं। विपक्षी भारत गठबंधन में 26 दल शामिल हैं। उन्होंने भाजपा को चुनावी देने के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन बनाया है। इसका लक्ष्य आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ अधिकतम निर्वाचन क्षेत्रों में एक साझा विपक्षी उम्मीदवार खड़ा करना है। विपक्ष को 2014 और 2019 में लगातार दो हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसकी छवि को काफी नुकसान पहुंचा। इसे मिलोनियल्स सहित मतदाताओं से जुड़ने की जरूरत है। विपक्ष का नेतृत्व करने वाली कंग्रेस 138 साल पुरानी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है जो एससी, एसटी, ओबीसी और मुसलमानों जैसे हाशिए पर रहने वाले समूहों का प्रतिनिधित्व करती थी। अस्सी के दशक के बाद से क्षेत्रीय दलों के उदय के साथ यह

पत्र ह। इसमें नवरूल का अभाव ह। 2014 और 2019 का हार्डकोर के बाद, कंग्रेस अब दावा करती है कि वह सामाजिक न्याय और भारत के गरीबों, पीड़ितों, दलितों, किसानों, युवाओं और नहिलाओं को अपनी पांच गारंटी के साथ सशक्त बनाने के लिए वित्तिभद्र हैरू युवा न्याय, भागीदारी न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय और श्रमिक न्याय। विपक्ष का लक्ष्य मुख्य रूप से भाजपा विवरोधी वोटों को एकजुट करके और प्रोत्साहन देकर मोदी को बुनाई देना है। हाल के हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में विधानसभा चुनावों में यह रणनीति कांग्रेस के लिए काम आई, जहां कंग्रेस ने जीत हासिल की। कंग्रेस को केंद्र में सत्तारूढ़ी पार्टी के खिलाफ नागरिकों के एक वर्ग में सत्ता विवरोधी मूड से नाभ मिलने की उमीद है। उन्होंने राहुल गांधी की हालिया भारत जोड़े यात्रा पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य लोगों से जुँड़ना था। सफल होने के लिए, कंग्रेस को चुनावों में निर्णयकारी भूमिका निभाने वाले युवा मतदाताओं से जुड़ने के लिए युद्धास्पति, बेरोजगारी और सामाजिक कलह जैसे रोजी-रोटी के मुद्दे उठाने होंगे। उन्हें उनसे अपील करने के लिए एक वैकल्पिक रणनीति दिखानी होगी। इसके साथ ही, राज्य-स्तरीय पार्टियों के कुछ शक्तिशाली मुख्यमंत्री अपने राज्यों पर हावी हैं, जिससे इन

राष्ट्रीय नता मादा का लाकारप्रयत्न के बाबर का नहीं ह, लाकन कुछ प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं। यह पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष रूप से सच है। गठबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौती मोदी के खिलाफ किसी एक नेता को आगे करना है। दुर्भाग्य से, गठबंधन सहयोगियों के बीच अहं का टकराव है, जिससे किसी पर सहमति बनाना मुश्किल हो जाता है। दूसरे, भाजपा अपार वित्तीय और राजनीतिक शक्ति के साथ एक मजबूत संगठन का दावा करती है। संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को छोड़कर, विपक्ष के पास कई ठोस और सम्मोहक चुनावी कथा नहीं दिखती है। हालांकि, मतदाता भोजन, कपड़े और आश्रय जैसी बुनियादी जरूरतों के बारे में अधिक चिंतित हैं। उदाहरण के लिए, 2004 में सोनिया गांधी का आम आदमी नारा जनता के बीच खूब गूंजा। कम आय वाले लोग आम तौर पर तनखाह से तनखाह तक जीते हैं और अमूर्त राजनीतिक अवधारणाओं से संबंधित नहीं हो सकते हैं। कांग्रेस पार्टी अभी भी अपने गौरवशाली अतीत से चिपकी हुई है और वर्तमान परिदृश्य को स्वीकार करने में विफल हो रही है।

ब्रह्मांडी

**भा**रत देश में कई फ्रेमस मंदिर हैं। इन्हीं में से एक सबसे ज्यादा फ्रेमस धार्मिक स्थलों में तिरपुति बालाजी का मंदिर है।

है। इस मंदिर को काफी मान्यता है और मंदिर से आस्था, प्रेम और रहस्य जुड़ा हुआ है। जिसकी वजह से मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। मान्यता के मुताबिक अपने भक्तों को सभी परेशानियों से बचाने के लिए भगवान वेंकटेश्वर कलयुग में जन्म लिया था। भगवान वेंकटेश्वर श्रीहरि विष्णु के अवतार हैं। कहा जाता है कि कलयुग में जब तक भगवान वेंकटेश्वर रहेंगे, तब तक कलयुग का अंत नहीं हो सकता है। आपको बता दें कि तिरुपति बालाजी मंदिर को कलयुग का वैकुंठ भी कहा जाता है। भगवान वेंकटेश्वर को श्रीनिवासा, बालाजी और गोविंदा के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तिरुपति बालाजी की आंखें क्यों बंद रहती हैं। अगर आपको इसका जवाब नहीं मालूम है, तो इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान वेंकटेश्वर का आधुनिक युग में निवास तिरुपति तिरुमाला मंदिर में माना जाता है। भगवान श्रीहरि के अवतार वेंकटेश्वर को उनकी चमकीली और शक्तिशाली आंखों के लिए जाना जाता है। भगवान वेंकटेश्वर अपने भक्तों की आंखों में सीधी नहीं देख सकते हैं, क्योंकि उनकी आंखें

# अपने कामों पर वोट क्यों नहीं मांगती भाजपा

आ जाना जाने वुनाका म भाजपा न अपन तले ३८० स जावक सीटें और एनडीए के लिए ४ सौ से अधिक सीटें लाने का लक्ष्य रखा है। १० साल सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ रहने वाली पार्टी के लिए यह कोई असंभाव्य लक्ष्य नहीं है, क्योंकि अपने दो-दो

फगना रनात प्रकरण से लफर दूल्हा कान हाना जस पश्चापन इसका मिसाल ह। २००४ से २०१४ तक यूपीए ने दस साल देश पर शासन किया था। लेकिन २०१४ के चुनावों के वक्त यूपी ने टिक्का टोक्कोरी टीक्की भी। टीक्की टैक्की २०११ से टिक्का टोक्कोरी से भी

फँगना रानात प्रकरण से लेकर दूल्हा कान हांगा जस पश्चापन इसका मिसाल ह। 2004 से 2014 तक यूपीए ने दस साल देश पर शासन किया था। लेकिन 2014 के चुनावों के बहुत यूपीए के लिए लोकविरोधी लहर चली थी। इसकी तैयारी 2011 के अन्ना आंदोलन से ही शुरू हो गई थी। जिसका नतीजा यह हुआ कि मनरेगा, सूचना का अधिकार, भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार ऐसे कई क्रांतिकारी फैसलों के बावजूद कांग्रेस के विरोध में माहौल बना दिया गया और इससे पहले कि कांग्रेस अपने कार्यों के आधार पर वोट मांगती, भाजपा ने नरेन्द्र मोदी को आगे करके अच्छे दिनों का नारा बुलंद किया। महंगाई डायन भागेगी, हर खाते में 15 लाख रूपए आएंगे, क्योंकि काला धन वापस आएगा, युवाओं को 2 करोड़ रोजगार हर साल मिलेंगे, बुलेट ट्रेन चलेगी, ऐसे कई आकाशकुसुम भाजपा ने देश के सियासी पर्दे पर बिखरा दिए, जिन्हें देखने में मगन जनता ने भाजपा को भर-भर के वोट दिए।

अभिनन्तरी कंगना रानीत को हिमाचल प्रदेश के मंडी से उम्मीदवार बनाए जाने पर कंपेस नेत सपिधा श्रीनेत के सोशल मीडिया एकाउंट्स से कछ भड़ी

और ये भ्रामक दवा है। अब भाजपा का एक और विज्ञापन सामने आया है, जो विवाह जैसी पवित्र संस्था पर आघात के समान है। इस विज्ञापन में भाजपा ने विषक्षी गठबंधन इंडिया पर प्रहर किया है। विज्ञापन में दिखाया गया है कि दुल्हन बनी एक युवती वर पक्ष से पूछ रही है कि दूल्हा कौन है। जिन किरदारों को विज्ञापन में दिखाया गया है, वे राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, मलिकार्जुन खड़गे, उद्धव ठाकरे, एम के स्टालिन और ममता बनर्जी की तरह दिख रहे हैं। इसमें राहुल गांधी जैसे लगने वाले किरदार को केंद्र में दिखाया गया है, जो खुद के दूल्हा होने की बात कह रहा है, लेकिन इस बीच बाकी किरदार भी आपस में झगड़ रहे हैं और दुल्हन बनी युवती उन सबको हैरान-परेशान सी देख रही है कि ऐसे में किस तरह वो विवाह करे और किससे करे। इस विज्ञापन के अधिक में भाजपा ने सवाल उठाया है कि दूल्हा नहीं चुन सकते तो प्रधानमंत्री कैसे चुनेंगे। भाजपा ने इस विज्ञापन के जरिए लोकतंत्र में लालाकी से कथानक बदलने की कोशिश की है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता अपने-अपने संसदीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों को चुनती है, फिर बहुमत हासिल करने वाली पार्टी या गठबंधन तय करता है कि उनका नेता कौन होगा। जनता को सीधे प्रधानमंत्री चुनने की जरूरत नहीं है। लेकिन भाजपा यही बताने की कोशिश कर रही है कि हमारी पार्टी को बहुमत मिलेगा तो नेतृत्व में वी प्रधानमंत्री बनेंगे, लेकिन इंडिया गठबंधन को बहुमत मिलेगा तो उनके पास कोई प्रधानमंत्री का चेहरा ही नहीं है। यह कमोविश वही रणनीति है, जिसके तहत भाजपा ने पिछले कुछ बरसों में एक सवाल खड़ा किया है कि मोदी नहीं तो कौन। जबकि भारतीय लोकतंत्र व्यक्ति के निरित न होकर पार्टी आधारित व्यवस्था पर चलता है। मोदी नहीं तो कौन जैसे सवाल लोकतंत्र के पाठ्यक्रम में हैं ही नहीं, लेकिन भाजपा ने इसे ही सबसे अहम सवाल बना दिया है और अब दूल्हा वाला विज्ञापन उसी का विस्तार है। जब इंडिया गठबंधन की नींव पड़ी थी, तब लालू प्रसाद यादव ने राहुल गांधी को दूल्हा बनने की सलाह दी थी, संभवतः इसी को ध्यान में रखकर भाजपा ने यह विज्ञापन बनाया है। लेकिन ऐसा करने में उसने विवाह नामक संस्था का जैस तरह मखौल उड़ाया है, वह न परंपरा और संस्कृति के अनुकूल है, न लोकतंत्र के लिहाज से सही है। विज्ञापनों के अलावा भाजपा अब उन मुद्दों पर उत्तर देने का तुक्रा ले रही है। यह उत्तर एक विपक्षी विचार है जिसकी जानकारी होते ही सुधिया श्रीनेत ने उन्हें हटा दिया और साथ ही सफाई दे दी कि उनके एकाउंट्स को कुछ और लोग भी संभालते हैं और उन्हीं में से शायद किसी ने ऐसा किया है, लेकिन उनके विचार ऐसे बिल्कुल नहीं हैं। लेकिन भाजपा ने इस मामले को लपक लिया और बात महिला आयोग से लेकर चुनाव आयोग तक पहुंच गई। किसी भी महिला पर बेहूदी टिप्पणी हर लिहाज से गलत है और इसका बचाव किसी तरह नहीं किया जा सकता। कंगना रानी ने जिस तरह के आक्रमण अब किए गए, खुद उन्होंने पहले उर्मिला मातोंडकर पर ऐसी ही टिप्पणी की थी। दूसरे दलों की महिला नेताओं पर भी कई बार ऐसे ही आक्रमण किए जा चुके हैं, जिनसे उनकी गरिमा को ठेस पहुंचे। सोनिया गांधी तो सबसे बड़ा उदाहरण हमारे सामने नहीं है, जिन्हें अनगिनत बार, अनगिनत तरीके से अपमानित किया गया। लेकिन सोनिया गांधी ने कभी न उनका जवाब दिया, न खुद को पीड़ित बताकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में सोनिया गांधी को कंग्रेस की विधवा कह चुके हैं, तब भी सोनिया गांधी अपनी गरिमा बनाए रखते हुए खामोश रहीं। महिलाओं को निशाने पर लेने का सिलसिला आज का नहीं बरसों पुराना है। और यह किसी एक पार्टी की महिलाओं के साथ नहीं होता, सभी के साथ होता है। क्योंकि यहां समस्या समाज की मानसिकता में है, जिसमें यह बात गहरे तक धंसी हुई है कि महिलाओं को पुरुषों के बराबर नहीं रखा जा सकता। इस मानसिकता से बहुसंख्यक लोग ग्रसित हैं। केवल राहुल गांधी जैसे कुछेक अपवाद हैं, जो महिलाओं के साथ इतने सम्मान से पेश आते हैं कि हर उम्र की महिला उनके साथ अपनापन महसूस करती है और सहजता के साथ पेश आती है। जाहिर है उनके मां-बाप ने ऐसे संस्कार उन्हें दिए हैं और देश में अब ऐसे ही संस्कारों की जरूरत है। तब न महिला अरक्षण पर नाटकीयता की जरूरत पड़ेगी, न शक्ति शब्द को लेकर अनावश्यक भ्रम खड़ा करना पड़ेगा। भाजपा को अगर अपनी जीत का यकीन है तो वह झूठे विज्ञापनों को हटाए और कंगना रानी के लिए सहानुभूति बटोरना छोड़कर राहुल गांधी की तरह महिलाओं को उनकी मर्जी से रहने के अधिकार का बयान देकर दिखाए। भाजपा की मजबूती का झूठ और सच, सब अपने आप सामने आ जाएगा। - सर्वमित्रा सुरजन

ਲੈਕ ਹੇਡਰ

# खत्म करता है संतरे का छिलका

किया जाता है। लोकन संतर का छिलका पूरी तरह से एक अलग सौदा है। क्या आप जानते हैं कि छिलका पूरे फल का सबसे स्वास्थ्यवर्धक हिस्सा है? ये हैरानी की बात हो सकती है। मगर ये बिल्कुल सच है। यदि आप सोच रहे हैं कि संतरे के छिलकों का क्या किया जाए, तो आपके लिए और भी बहुत कुछ है, जिसके बारे में हम आपको इस लेख में बता रहे हैं। कुछ रिपोर्ट से पता चलता है कि संतरे का छिलका वास्तव में पूरे फल का स्वास्थ्यप्रद हिस्सा है। यह आश्चर्यजनक लग सकता है जबकि, अनुसंधान में हमें पता चलता है कि संतरे के छिलके फ्लेवोनोइड और कई अन्य महत्वपूर्ण फाइटोकेमिकल्स से भरपूर होते हैं जो विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। संतरे में लगभग 71 मिलीग्राम विटामिन सी होता है जबकि, छिलके में 136 मिलीग्राम से भी बां विटामिन और डाइट्रोफाइब्रा होता है। ये सभी पोषक तत्व अद्भुत तरीकों से मानव स्वास्थ्य में योगदान करते हैं। संतरे के छिलके को त्वचा के लिए वरदान माना जाता है क्योंकि यह ब्लैकहेड्स, मृत कोशिकाओं, मुँहासों और धाग-धब्बे का इलाज करती है। यह आपके चेहरे को चमक भी देता है। आप उस अतिरिक्त चमक को पाने के लिए या टैन हटाने के लिए दूध या दही भी मिला सकते हैं। संतरे के छिलकों में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो दांतों की रक्षा करते हैं। इसके अलावा, आप संतरे के छिलकों का उपयोग करके भी अपने दांतों का पीलापन दूर कर सकते हैं। संतरे के छिलकों में लिमोनेन एक प्राकृतिक गंध और विलायक के रूप में भी काम करता है। यह आपके दांतों को प्राकृतिक तरीके से सफेद करने में मदद करता है।

**करने वाले लोग छू तक नहीं पाते हैं इसका पानी**

दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहा ऐसे कई स्थल हैं जिनका विशेष धार्मिक महत्व है। उत्तराखण्ड में कई बेहद खूबसूरत झरने हैं, जहां दुनियाभर से पर्यटक लुत्फ उठाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चमक्कारी झरने के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। आज हम आपको वसुंधरा झरना के बारे में बताने जा रहे हैं जो पवित्र ब्रह्मीनाथ धाम से करीब 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह झरना अपने आप में बहुत रहस्यमई है उसके बारे में कहा जाता है कि इस झरने का पानी पापी लोगों के ऊपर नहीं गिरता। वसुंधरा झरना करीब 400 फीट ऊँचाई से गिरता है। इस झरने का पानी जमीन पर गिरते समय मूर्तियों के समान नजर आता है। यह झरना बेहद स्पृश्य स्थल बना रहा है। ऐसा क्या स्थल है जो लोग इस झरने और इसके चमत्कार का देखने आते हैं। इस झरने को लेकर कई किंवदंतियाँ प्रचलित हैं। एक धार्मिक कथा के अनुसार यहां पांच पांडवों में से सहदेव ने अपने प्राण त्यागे थे। कहा जाता है कि अगर इस झरने का पानी आप पर गिरे तो समझ जाएं कि आप नेक हैं। यही वजह है कि दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं और इस झरने की नीचे खड़े होते हैं। यह भी कहा जाता है कि इसने का पानी कई जड़ी बूटी वाले पौधों को छूकर नीचे गिरता है इसलिए इस पर भी इस झरने का पानी पड़ता है वह हमेशा के लिए निरेगी हो जाता है। अगर आप भी ब्रह्मीनाथ की यात्रा पर जा रहे हैं तो वसुंधरा झरना देखना ना भूलें। इस जगह की खूबसूरती आपको स्वर्ण में होने की अनुमति देगी।









# खत्म हुआ मोजाम्बिक और तंजानिया की नौसेनाओं के साथ भारत का अभ्यास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- तीनों नौसेनाओं को क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मौके मिले
- जहाजों ने तंजानिया और मोजाम्बिक से ईंटर्जेड की संयुक्त निगरानी भी की



चरण 21 से 24 मार्च तक चला, जिसमें जांजीबार में आईएनएस तीर पर और आईएनएस सुजाता पर मापुटो में गहन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में विजिट, बोर्ड, खोड़ और जल्दी, क्षति नियंत्रण और अग्निशमन आयास, संचार प्रक्रियाओं और सीधी आप्रदर्शन और हतहत निकासी के साथ आईएमटी ट्रैलर अभ्यास का बंदरगाह पर सपाइ भर चलने वाला यह अभ्यास भारत, मोजाम्बिक और तंजानिया की नौसेनाओं के बीच 21 मार्च को शुरू हुआ था।

‘आईएमटी ट्रैलर’ अभ्यास का बंदरगाह

चिकित्सा व्याख्यान पर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण शामिल थे। इसके बाद समुद्री चरण 24 मार्च को शुरू हुआ, जिसमें आईएनएस तीर और आईएनएस सुजाता ने क्रमशः तंजानिया और मोजाम्बिक नौसेनाओं से

समुद्री सवारों को शामिल किया। मोजाम्बिक नौसेना के जहाज नामांतरिली और जल्दी शीत्रीय स्थिता की दिशा में निरंतर सहयोग पर जोर दिया गया। जांजीबार में मिजिजिनी अनाथालय केंद्र और मापुटो में ओबरा डोम ओरियो रिसेप्शन सेंटर में दोस्ती के बंधन को बढ़ावा देने के लिए आउटरीच गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

## उत्तराखण्ड में मतदान के दिन 19 अप्रैल को घोषित किया गया सवेतन अवकाश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। लोकसभा चुनाव के लिए उत्तराखण्ड में पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। ऐसे में उत्तराखण्ड में मतदान के दिन 19 अप्रैल को सवेतन अवकाश घोषित किया गया है। इससे अधिक से अधिक मतदान करने का अवसर मिलेगा और श्रमिक भी लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाएंगे। प्रत्येक व्यक्ति चुनाव में मतदान का हककर है। अवकाश मंजूर किए जाने के कारण ऐसे किसी व्यक्ति की मजदूरी में कोई कटौती नहीं होगी। लोकसभा चुनाव में कोई भी वर्ग किसी भी कारण से मतदान से वंचित न हो, इसके लिए भी व्यवस्था बनाई गई है। प्राइवेट, ठेका मजदूरी सहित अन्य स्थानों पर कार करने वाले श्रमिकों को मतदान बाने के एक दिन की छुट्टी देनी होगी। उत्तराखण्ड के एक सभी निजी क्षेत्र के उपक्रम, संस्था, कारोबारी, व्यवसाय औद्योगिक उपक्रम,

कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, ईडी ने 2 अप्रैल को पूछताह के लिए किया तलब

देहरादून। कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत और उनकी पुत्रवधु अनुकूलि गुप्ताई की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ईडी (प्रवर्तन निर्देशालय) ने दोनों को पूछताह के लिए अपेक्षा की दिया है। ईडी ने हरक सिंह को दो अप्रैल को, जबकि अनुकूलि गुप्ताई को तीन अप्रैल को ईडी दफतर में पूछताह की दिया है। कांग्रेस टाइगर रिजर्व के तहत पाराखरा टाइगर सफरी निर्माण में अवैध लेन-देन का आरोप है। वहीं, ईडी द्वारा पूछताह के लिए तलब किया है। कांग्रेस नेता व वैद्य दस्तावेज के लिए तलब किया है। प्राप्तवाली के बाद वाले चेक पोस्ट से गाड़ी में सवार चार व्यक्तियों के पास से तीन लाख छिपाया जाएगा। राजस्व ने आगामी लोकसभा चुनाव के चलते जनपद में आचार संहिता लागू है। बिना अनुमति व वैद्य दस्तावेज के अपाको कैश ले जाना भारी पड़ सकता है। प्राप्तवाली ने आगामी लोकसभा चुनाव में धन-बल का इस्तेमाल रोकने के लिए जनपद में कई जगह चेक पोस्ट बनाए हैं, जिन पर एफएसटी व एफएसटी टीम को तैनात किया गया है। हर वाहन की चेकिंग की जारी रहने पर सवाल देने हुए भारत व्यापारी संघ ने अपने जागरूकता को बढ़ावा दिया है। इसके अंतर्गत लक्ष्य व्यापारी व्यक्तियों को जारी रहने पर सवाल देने हुए भारत व्यापारी संघ ने अपने जागरूकता को बढ़ावा दिया है।

## मारी मात्रा में नकदी ले जाना पड़ा मारी

# पुलिस एवं एफएसटी टीम ने रुपये किए जब्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

व्यक्तियों से कुल 614700 रुपये बरामद किए हैं। लक्ष्यर एफएसटी डी-2 34 लक्ष्यर टीम के प्रभारी डॉ. अभ्य ढैडियाल की टीम ने भिक्कमपुर फतवा के मध्य गोगमाडी पुलिया के पास वाहन संख्या यूके 17 एस 9216 बालेंगे में सवार एक व्यक्ति भिषुन पुत्र शीशपाल निवासी ग्राम रायपुर रायथरी, कोतवाली लक्ष्यर हरिद्वार के पास से 157500 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अतिरिक्त थाना लक्ष्यर के बौकी इंचार्च भिक्कमपुर ने बाकपुर चौराहा से एक मोटासाइकिल पर सवार एक व्यक्ति फुकान अली पुत्र बल्ले हसन निवासी रंजीतपुर कोतवाली लक्ष्यर हरिद्वार के पास से 70 हारार रुपये नकद बरामद किए हैं। दूसरी ओर थाना



खानपुर की एफएसटी टीम ने एफएसटी टीम के प्रभारी डॉक्टर के पास तोमर के नेतृत्व में बालावाली चेक पोस्ट से गाड़ी में सवार चार व्यक्तियों के पास से तीन लाख छिपाया जाएगा। राजस्व ने अपने जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक व्यक्ति को जारी रहने पर सवाल देने हुए भारत व्यापारी संघ ने अपने जागरूकता को बढ़ावा दिया है। इसके अंतर्गत लक्ष्यर व्यक्तियों को जारी रहने पर सवाल देने हुए भारत व्यापारी संघ ने अपने जागरूकता को बढ़ावा दिया है।

नेतृत्व में बालावाली चेक पोस्ट से गाड़ी में सवार चार व्यक्तियों के पास से तीन लाख छिपाया जाएगा। राजस्व ने अपने जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक व्यक्ति को जारी रहने पर सवाल देने हुए भारत व्यापारी संघ ने अपने जागरूकता को बढ़ावा दिया है। उन्होंने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के संभल जिले में किसी मैटिकल कंपनी में काम करते हैं। जब टीम द्वारा पैसे के बारे में जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि यह हमारी सैलरी के पैसे हैं, लेकिन जब युवकों से सैलरी संबंधी दस्तावेज मांगे तो टीम को कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाए और ना ही संतोषजनक जवाब दे पाएं। टीम ने नकदी के सम्बन्ध में संतोषजनक जवाब न देने पर रुपयों को जब्त कर लिया।

भाजपा का दामन थामा। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के सदस्यता के सम्बन्ध में शुक्रवार अग्रवाल ने दो दिनों में एक व्यक्ति को जारी रहने पर सवाल देने के लिए एक व्यक्ति को विकास के सम्बन्ध में शामिल हुए है। प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों के लिए खाद्यान्न योजना, प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों के लिए खाद्यान्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्पादन निधि, उज्ज्वला योजना समेत अनेक योजनाओं के प्रयास कर हो रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से संकरसंपर्क करने की आवश्यकता दर्शाई। इसके अलावा पुलिस ने ज्ञालापुर के अलग-अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफतार किया है। इनमें एक के पास से 8.03 ग्राम स्पैक व दूसरे से 105 ग्राम चरस बरामद की गई। पूछाला में पकड़े गए आरोपित युवकों के नाम इकबाल पुल त्रिपुरा योगी और अब्दुल खान निवासी मोहल्ला अहवानवार को उपर्योग के लिए आवश्यक योजना दी गई है। गिरफतार आरोपित का बिलाल एक्ट में जालावाली के लिए आवश्यक योजना दी गई है। इनके अलावा पुलिस ने ज्ञालापुर के अलग-अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफतार किया है। उन्होंने एक के पास से 8.03 ग्राम स्पैक व दूसरे से 105 ग्राम चरस बरामद की गई। पूछाला में पकड़े गए आरोपित युवकों के नाम इकबाल पुल त्रिपुरा योगी और अब्दुल खान निवासी मोहल्ला अहवानवार को उपर्योग के लिए आवश्यक योजना दी गई है। गिरफतार आरोपित के बिलाल एक्टीवीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट द्वारा भी दोषी घोषित किया गया है। इनके अलावा पुलिस ने ज्ञालापुर के अलग-अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफतार किया है। उन्होंने एक के पास से 8.03 ग्राम स्पैक व दूसरे से 105 ग्राम चरस बरामद की गई। पूछाला में पकड़े गए आरोपित युवकों के नाम इकबाल पुल त्रिपुरा योगी और अब्दुल खान निवासी मोहल्ला अहवानवार को उपर्योग के लिए आवश्यक योजना दी गई है। गिरफतार आरोपित का बिलाल एक्टीवीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट द्वारा भी दोषी घोषित किया गया है। इनके अलावा पुलिस ने ज्ञालापुर के अलग-अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफतार किया है। उन्होंने एक के पास से 8.03 ग्राम स्पैक व दूसरे से 105 ग्राम चरस बरामद की गई। पूछाला में पकड़े गए आरोपित युवकों के नाम इकबाल पुल त्रिपुरा योगी और अब्दुल खान निवासी मोहल्ला अहवानवार को उपर्योग के लिए आवश्यक योजना दी गई है। गिरफतार आरोपित का बिलाल एक्टीवीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट द्वारा भी दोषी घोषित किया गया है। इनके अलावा पुलिस ने ज्ञालापुर के अलग-अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफतार किया है। उन्होंने एक के पास से 8.03 ग्राम स्पैक व दूसरे से 105 ग्राम चरस बरामद की गई। पूछाला में पकड़े गए आरोपित युवकों के नाम इकबाल पुल त्रिपुरा योगी और अब्दुल खान निवासी मोहल्ला अहवानवार को उपर्योग के लिए आवश्यक योजना दी गई है। गिरफतार आरोपित का बिल